Dainik Bhaskar (City Bhaskar), 21/12/2018, Page No-16

# गांवों में कनेक्टिविटी की समस्याओं को दूर करने के लिए काम करेगा सैटेलाइट

## आईआईटी द्वारा होस्ट की जा रही एडवांस नेटवर्क्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन्स पर वर्कशॉप का समापन

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

हमारे देश के शहरी क्षेत्रों में तो कनेक्टिविटी बेहतर है लेकिन गांवों में ये समस्या कई जगह गंभीर है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स यानि सी-डॉट के एक्सपर्ट्स इस समस्या को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। सी-डाॅट ने एक सैटेलाइट तैयार करने के साथ ही ऐसे कई डिवाइस तैयार किए हैं जो रूरल ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी में उपयोग किए जा सकते हैं।

सी-डॉट के एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर विपिन त्यागी ने ये बातें आईआईटी इंदौर द्वारा होस्ट की जा रही एडवांस नेटवर्क्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन्स कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन कही। वे चैलेंजेस फॉर इंडियन डिजिटल एरा पर बोल रहे थे। कॉन्फ्रेंस की थीम थी टूअड्‌र्स अ हायपर कनेक्टेड वर्ल्ड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन आईसीटी। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के कम्प्यूटर साइंस के प्रोफेसर बिस्वनाथ मुखर्जी ने मशीन लर्निंग के जरिए कंटेंट बेस्ड नेटवर्क प्रॉब्लम दूर करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मशीन लर्निंग के जरिए पूरे नेटवर्क की समस्याएं पांच मिनट में दूर की जा सकेंगी जिसमें अभी कई घंटों से लेकर दिनों तक का समय लगता है।

आईआईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने कॉन्फ्रेंस के आयोजकों को इंदौर में आयोजन के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि सबसे तेज ग्रोथ ट्रेजेक्टरी वाले इंस्टिट्यूट होने के नाते ये सबसे सही चुनाव था। ये कॉन्फ्रेंस नई आइडिया जनरेट करने के साथ ही रिसर्चर्स को भी कई नए एरिया प्रदान करेगी।